राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 16.00 संख्या 73
एक नागराज फ्लैग मुफ्त
अंधी मौत
1996
सुपर कमांडो ध्रुव

आ जा, सुपर कमांडो ध्रुव, आ जा ! पकड़ सकता है तो मुझे पकड़कर दिखा !
तूने मुझे अंधा करके यह कैसे समझ लिया कि ध्रुव तुझ जैसे कमीने से हार गया ?
अरे, ध्रुव अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर सिर्फ आवाज के सहारे कई बार अपने दुश्मनों को मात दे चुका है।
बढ़, ध्रुव ! पन्द्रहवीं मंजिल से अपनी जिन्दगी का आखिरी कदम बढ़ा ले ! ...
... सुपर गोगा ने तुझे अंधा तो पहले ही कर दिया है। और अब वह तुझे देने जा रहा है एक ...
अंधी मौत
कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा:
इंकिंग: कांबले, विनोद:
सुलेख एवं रंग: सुनील पाण्डेय:
संपादक: मनीष गुप्ता:

आज के, तेजी से आगे बढ़ते इस दौर की मांग है, संचार तकनीक का तेजी से विकास। ताकि सूचनाओं एवं जानकारियों का विश्वभर में पलक झपकते आदान-प्रदान हो सके। और इंसान की इस विवशता के कारण आज दुनिया पर राज करते हैं...
—उपग्रह और कंप्यूटर—
चाहे वे टी० वी० के नए-नए चैनेल हों, या दूर संचार की सुविधाएं, या फिर दुनियाभर में फैले हुए कंप्यूटर नेटवर्क और या फिर अन्तर्राष्ट्रीय जासूसी की अत्याधुनिक दुनिया। हर चीज उपग्रहों द्वारा ही नियंत्रित की जाती है—
पृथ्वी के चारों तरफ घूमते इन अनगिनत उपग्रहों को संचालित करते हैं, पृथ्वी पर फैले असंख्य कंप्यूटर सेंटर...
—और इन कंप्यूटर पैनलों का निर्माण होता है...
—इंसानी हाथों में—
SCALE
ये है हमारे प्रस्तावित स्पेस स्टेशन की डिजाइन ध्रुव! इसे तुम उपग्रहों का सर्विस-स्टेशन भी कह सकते हो!

☆ उपग्रहों के पृथ्वी के चारों तरफ घूमने वाले पथ को 'कक्षा' कहते हैं।

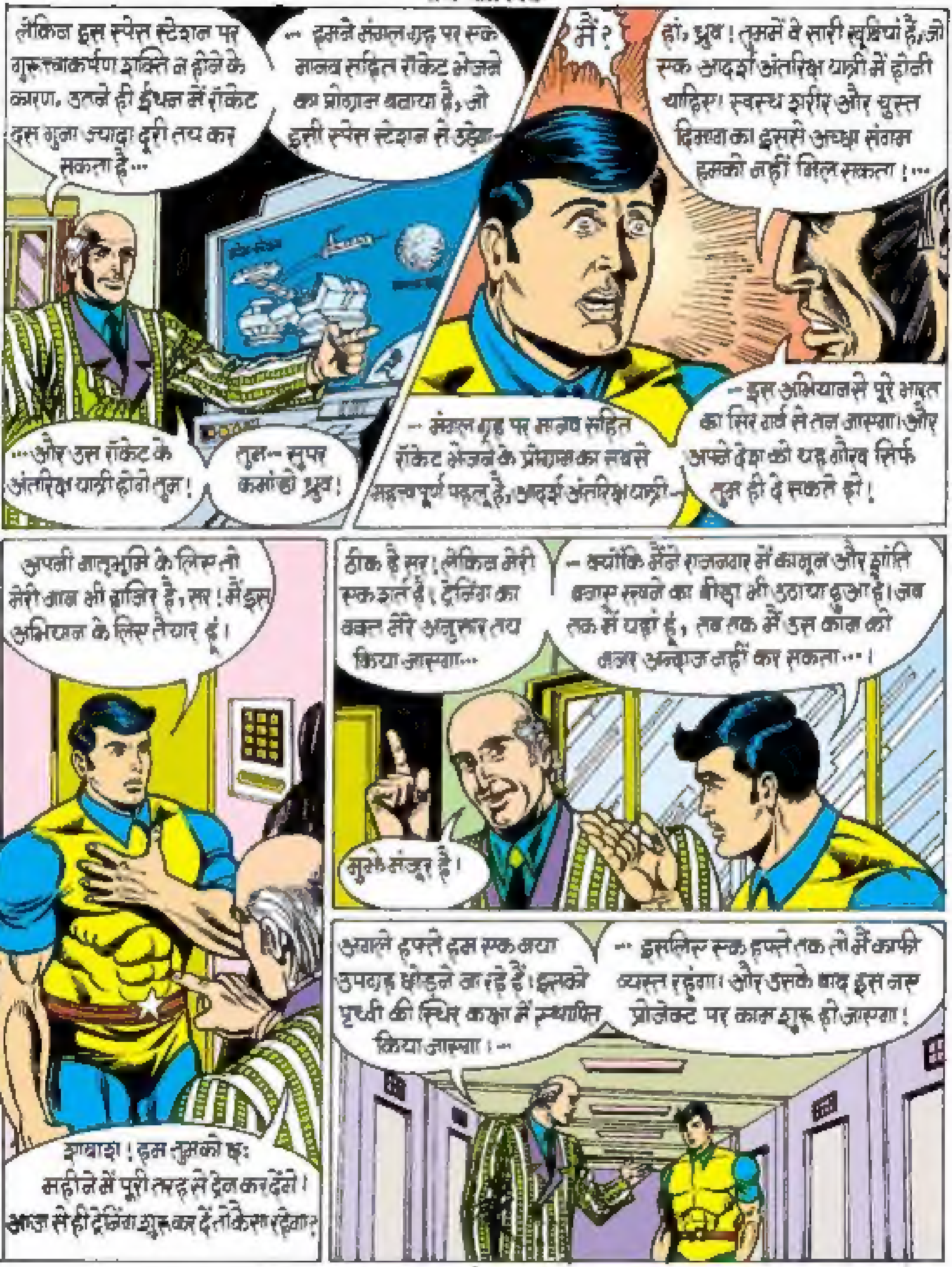
लेकिन इस स्पेस स्टेशन पर गुरुत्वाकर्षण शक्ति न होने के कारण, उतने ही ईंधन में रॉकेट दस गुना ज्यादा दूरी तय कर सकता है...
... इसने मंगल ग्रह पर एक मानव सहित रॉकेट भेजने का प्रोग्राम बनाया है, जो इसी स्पेस स्टेशन से उड़ेगा—
...और उस रॉकेट के अंतरिक्ष यात्री होगे तुम!
तुम— सुपर कमांडो ध्रुव!
मैं?
हां, ध्रुव! तुममें वे सारी खूबियां हैं, जो एक आदर्श अंतरिक्ष यात्री में होनी चाहिए। स्वस्थ शरीर और चुस्त दिमाग का इससे अच्छा संगम हमको नहीं मिल सकता!...
— मंगल ग्रह पर मानव सहित रॉकेट भेजने के प्रोग्राम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, आदर्श अंतरिक्ष यात्री—
— इस अभियान से पूरे भारत का सिर गर्व से तन जाएगा। और अपने देश को यह गौरव सिर्फ तुम ही दे सकते हो!
अपनी मातृभूमि के लिए तो मेरी जान भी हाजिर है, सर! मैं इस अभियान के लिए तैयार हूं!
शाबाश! हम तुमको छः महीने में पूरी तरह से ट्रेन कर देंगे। आज से ही ट्रेनिंग शुरू कर दें तो कैसा रहेगा?
ठीक है सर! लेकिन मेरी एक शर्त है। ट्रेनिंग का वक्त मेरे अनुसार तय किया जाएगा...
— क्योंकि मैंने राजनगर में कानून और शांति कायम रखने का बीड़ा भी उठाया हुआ है। जब तक मैं यहां हूं, तब तक मैं उस काम को नजरअंदाज नहीं कर सकता...!
मुझे मंजूर है।
अगले हफ्ते हम एक नया उपग्रह छोड़ने जा रहे हैं। इसको पृथ्वी की स्थिर कक्षा में स्थापित किया जाएगा।—
— इसलिए एक हफ्ते तक तो मैं काफी व्यस्त रहूंगा। और उसके बाद इस नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो जाएगा!

ध्रुव की ट्रेनिंग शुरू हो गई थी-
ये तुम्हारी ट्रेनिंग का पहला सबक है ध्रुव।
रॉकेट जब उड़ता है तो शरीर पर पड़ने वाला गुरुत्व बल कई गुना ज्यादा बढ़ जाता है...
... यह यंत्र तुमको ठीक वैसा ही दबाव देकर तुम्हारे शरीर को उसका आदी बना देगा।
और दूसरी तरफ हो रही थी एक षड़यंत्र की शुरुआत-
बेकार! ये 'लेसर ब्लास्टर' भी उतना शक्तिशाली नहीं है, जितना मुझे चाहिए।
मैं यह टकराव नहीं चाहता था। अपना प्लान गुप्त रखना चाहता था मैं। लेकिन क्या करूं, शायद ऊपर वाले ने 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' के वासियों की मौत 'सुपर नोवा' के हाथों में ही लिखी है।
अब क्या होगा, मास्टर? सैटेलाइट के छोड़े जाने में सिर्फ एक हफ्ता बचा हुआ है।
यानी हमारे पास और प्रयोग करने का वक्त नहीं है। अब एक ही रास्ता है। हमको 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' जाकर वहां से 'टायटल लेसर वेल्डर' को लेकर आना होगा। -
... ताकि उसको देखकर मैं अपना सुपर लेजर तैयार कर सकूं।
तैयार हो जाओ। स्पेस ट्रेनिंग सेंटर वालो...
... आज रात तुम्हारी मौत का फरमान लेकर आ रहा है सुपर नोवा!

और उस रात– जब ध्रुव अपनी रात की गश्त खत्म करके, अपनी ट्रेनिंग में व्यस्त था–
ये हमारी स्पेशल लैब है ध्रुव! इसमें हमने 'स्पेस सर्किल स्टेशन' की तरह नकल करने की कोशिश की है···
···यहां तक कि हमने एक खास तकनीक से इस पूरे कक्ष को गुरुत्वाकर्षण रहित क्षेत्र बना दिया है। यहां पर ट्रेनिंग लेने के बाद तुमको अंतरिक्ष में ज्यादा दिक्कत नहीं होगी!
इधर मैग्नेटिक जूते पहने डायरेक्टर साहब ध्रुव को समझा रहे थे–
और इधर स्पेस ट्रेनिंग सेंटर के कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के घेरे में मौजूद मुख्य द्वार पर–
आऽऽऽह! ये रात की ड्यूटी का चक्कर बड़ा खराब होता है यार! खतरा भी ज्यादा होता है, और नींद भी ज्यादा आती है!
रघुपति वो देख!
ये··· ये कैसे अन्दर आ गया?··
··· मेन गेट तो बंद है! कूद कर आया क्या?
नहीं! हवा में से पैदा हो गया है! म··· मैंने अपनी आंखों से देखा है!

अरे ! ये तो मेन बिल्डिंग की तरफ जा रहा है... प्रतिबंधित क्षेत्र में !...
...रुक जाओ ! वर्ना गोली मार दी जाएगी !
लेकिन वह आकृति नहीं रुकी-
और मजबूरन सिक्योरिटी गार्डों की ऑटोमैटिक गनें गरज उठीं ! लेकिन-
यह क्या ? हमारी गोलियां तो इसके आर-पार जा रही हैं !...
...असंभव !
इसको पकड़ना होगा...
...दौड़ो !
लेकिन इससे पहले कि गार्ड उस तक पहुंच पाते-
ओह माई गॉड ! मुख्य प्रवेश द्वार बंद है, लेकिन यह उसके आर-पार जा रहा है !
यह तो कांप्लेक्स के अंदर पहुंच गया है ! जल्दी से ताला खोलकर इसे रोको !
पहले ताला खुला, और फिर दरवाजा-
अरे ! कहां चला गया ? अभी-अभी तो अंदर घुसा था वह !
सायरन बजा दो !

★ होलोग्राफिक इमेज: स्पेशल प्रोजेक्टर द्वारा प्रक्षेपित किया जाने वाला तीन आयामी (3D) चित्र, जो दिखने में एकदम वास्तविक सा लगता है-

मेरे अनुमान के हिसाब से 'लेसर वेल्डर' को सुरक्षित रूप से रखने के लिए इस इमारत में गिनी-चुनी जगहें ही हैं। और उन जगहों के बारे में मैंने अपने आदमियों को पहले ही बता दिया है। उन जगहों को चेक करने में उनको कुछ ही मिनटों का वक्त लगेगा।
यानी जब तक ये बाहर से मदद मंगवा पाएंगे, तब तक हम यहां से 'लेसर वेल्डर' लेकर निकल चुके होंगे!
लेकिन 'सुपर गोरा' यह नहीं जानता था कि 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' को बाहर से मदद मंगवाने की कोई जरूरत नहीं थी—
मदद वहीं पर मौजूद थी—
रेड अलर्ट! रेड अलर्ट! बाहर से कुछ अवांछित तत्व सेंटर में घुस आए हैं!...
—सभी सुरक्षा यूनिट कॉरीडोर नम्बर 25 की तरफ बढ़ें! डबल स्पीड!
अवांछित तत्व! लेकिन ये गुंडे कॉम्प्लेक्स के अंदर घुसे कैसे?
फिलहाल तो ये सोचना ज्यादा जरूरी है कि वे यहां पर घुसे क्यों हैं। यह बात सिर्फ वे ही बता सकते हैं!
और उसके लिए बाहर निकलकर उनको पकड़ना आवश्यक है।
सुरक्षा व्यवस्था जबरदस्त थी—
कुछ ही सेकंडों में कॉरीडोर नंबर 25 को घेर लिया गया था—
बच रहा! चुपचाप खड़े रहो, वर्ना गोलियों से भून डाले जाओगे!

बाकी सारा काम्प्लेक्स, सुरक्षा गार्डों से खाली हो गया था–
अपने हिस्से की दो जगहों को तो मैं चेक कर चुका हूं। अब सिर्फ यह एक जगह बचती है...
...अगर किस्मत अच्छी हुई तो वह...
...लेसर वेल्डर यहीं मिल जाएगा...
...मिल गया जैक पॉट!
तू जरूर अपनी किस्मत सोने की कलम से लिखवा कर आया है, सांचेज़!
एक सेकंड बाद 'लेसर वेल्डर' सांचेज़ के हाथ में था–
और उसके एक सेकंड बाद उसके हाथ से बाहर–
NO TRESPASSING
आऽऽऽह!
कौन है तू लड़के? सांचेज़ से उलझकर भरी जवानी में अपनी मौत को क्यों बुलाना चाहता है?
तुम्हारे यह बोलने से दो बातें साफ हो गई हैं पहली तो यह कि तुमको किसी ने विदेश से इम्पोर्ट किया हुआ है...
...क्योंकि इस देश के सारे छोटे-बड़े अपराधी ध्रुव को पहचानते हैं!...

...और दूसरी यह कि तुम विदेश के भी छोटे मोटे नहीं, बल्कि बड़े अपराधी हो...
...बुलेट प्रूफ शीशे को एक कराटे चॉप से तोड़ देने वाला आदमी मामूली नहीं हो सकता!
और अब अपने सवाल का जवाब भी सुन लो।
सुपर कमांडो ध्रुव अपनी मौत कभी नहीं बुलाता...
...बल्कि तुम्हारे जैसे समाज के गन्दे घुन उसको अपनी मौत कहकर पुकारते हैं
इस बात का फैसला तो एक मिनट में हो जाएगा...
...अपराध की दुनिया में आने से पहले, मैं स्पेन में बुल-फाइटर था! और एक बार, जब एक सांड ने मुझ पर हमला करके तलवार मेरे हाथों से गिरा दी थी, तो मैंने उसको एक ही घूंसे से मार डाला था!
मानता हूं प्यारे, कि ताकत में तुम सांड से कम नहीं हो। लेकिन अक्ल में तुम जरूर सांड से भी कम लगते हो...
...और लड़ाइयां ताकत से नहीं, फुर्ती और अक्ल से जीती जाती हैं। आदमी के शरीर में कई ऐसे स्थान होते हैं, जिनको अगर हल्के से भी दबा दिया जाए तो आदमी बेदम हो जाता है

जैसे कोहनी के अंदर की ऐ नस...
...इसको दबाने से ऐसा लगता है, जैसे बिजली का तार बदन से छू गया हो! है न?
सांपेज का पूरा शरीर झनझना उठा-
और ध्रुव के एक भीषण वार ने उसके दांत हिला दिए-
अब तुम मुझे बताओगे कि तुम यहां पर घुसे कैसे?
और इस लेसर डेल्टा को चुरा कर क्या करना चाहते थे?
लेकिन जवाब मिलने से पहले ही-
आऽऽह!
लुका! तू भी सारी जगहें चेक करता हुआ यहीं पर आ गया?
हां! लेकिन यह लड़का हमको पहचान गया है. इसका जिन्दा रहना हमारे हित में नहीं है.
तब, ध्रुव के चकराते सिर की तरफ घूम गई और दिवार देखने लगा-

— क्योंकि इसके बाद तुम लोग कुछ भी और नहीं देख पाओगे!
आह!
यह क्या है!

सुपर नोवा अपने सारे काम एक ही हथियार से करता है। प्रकाश ऊर्जा यानी लाइट एनर्जी से...
...और यह था मेरा पहला वार, सुपर स्ट्रांग अल्ट्रा वॉयलेट किरणों का एक तेज झपाका...
...यह झपाका जिसने तुम सबकी आंखों की कोशिकाओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।...
...यह सब अखबार वालों को बताना भूलना मत...
...और सबसे पहले इनको मेरा नाम बताना। सुपर नोवा!
मास्टर, आप कहां पर हैं?
क्या हुआ पिता? लेसर कैलेंडर मिल गया क्या?
उन्होंने ऐसा नहीं किया, और यहीं पर वे गलती कर गए-
मुझे धातु की चमकती दीवार में लूका का प्रतिबिम्ब दिख गया था, इसलिए मैं समय रहते झुक गया...
...और वार मुझे पूरी तरह से लग नहीं पाया।
लेकिन मेरा सिर अभी भी हल्का-हल्का घूम रहा है।
मुझे तो नहीं मिला! अपने हिस्से की सारी जगहें मैं चेक कर चुका हूं।
तो अब तक वह सांचेज या लूका को जरूर मिल गया होगा आओ, जल्दी उनको ढूंढें।
मुझे सबसे पहले तो लूका की गोली से बचना है और उससे मुझे बचाएगा, कांच का ये टुकड़ा।

...जो सांचेज द्वारा तोड़ा गया बुलेटप्रूफ कांच का टुकड़ा है।...
...लेकिन अभी मैं इन दोनों महारथियों से एक साथ लड़ सकने की हालत में नहीं हूं।...
आह!
...इसीलिए मुझे संभलने के लिए थोड़ा सा समय चाहिए और फिर मैं इनको उसी जगह पर ले जाकर पीटूंगा, जहां पर मैं चाहता हूं।
अगले ही पल ध्रुव, 'लेसर वेल्डर' को लेकर दरवाजे से बाहर निकल गया –
अरे! पकड़ो उसे! वह 'लेसर वेल्डर' लेकर भाग रहा है।
RESTRICTED AREA
वो रहा! उस कमरे में घुस रहा है!
अब यह हमसे नहीं बचेगा!
बेचारे लूका और सांचेज यह नहीं जानते थे...
...कि जिस कक्ष में वे घुस रहे हैं, वह एक स्पेशल ट्रेनिंग लैब रूम है –
कहां गया वह?
जहां पर एक बटन दबाने की –

...पूरा कमरा गुरुत्वाकर्षण रहित क्षेत्र बन जाता है—
अरे ! अरे ! यह क्या हो रहा है ?
हम... हम उड़ कैसे रहे हैं ?
यह कमरा गुरुत्वाकर्षण रहित क्षेत्र बन गया है, लूका ! और चूंकि तुमको नीचे खींचने वाली गुरुत्व शक्ति खत्म हो गई है, इसीलिए तुम उड़ रहे हो ;...
... मुझे ऐसे क्षेत्र में रहने का थोड़ा सा अनुभव है ...
...यहां पर कैसे उड़ा जाता है, यह मैं तुम लोगों को अभी सिखा देता हूं !

ऐसी लड़ाई न तो सार्जेंट ने कभी कुंग-फू फाइटिंग स्टाइल में लड़ी थी...
आऽऽऽह
अब बताओ, लड़कों, सार्जेंट एण्ड कंपनी इन लेसर वेल्डरों का तुम क्या करने जा रहे थे?...
ये लेसर वेल्डर लेकर नहीं... इनको मैंने भेजा था...
मैं तुम पर वार नहीं करूंगा, ध्रुव! तुम्हारे बारे में मैंने काफी कुछ सुन रखा है
...लेकिन अगर तुमने लेसर-वेल्डर से हमले न किया तो...

...शिवा, तुम डायरेक्टर की खोपड़ी उड़ा देना
?
ध्रुव समझ रहा था कि सुपर गोवा खोखली धमकी नहीं दे रहा है–
उसके सामने और कोई रास्ता नहीं था–
ये लो सुपर गोवा! लेसर वेल्डर!
थैंक्यू मिस्टर ध्रुव.
अब चलो मूर्खो, एक लड़के को नहीं संभाल सकते!
...लेसर वेल्डर लेकर सुपर गोवा कक्ष से बाहर निकल गया, और दरवाज़ा बाहर से बंद कर दिया गया–
चलते-चलते तेरे लेसर वेल्डर की भी टेस्टिंग कर ली जाए, डायरेक्टर
लेसर वेल्डर की तेज़ गर्मी ने दरवाज़े की धातु को पिघलाकर, दरवाज़ा खोल दिया–

अलविदा, डायरेक्टर! अगर तुम्हारी जिन्दगी रही तो फिर मिलेंगे
डायरेक्टर साहब का दिमाग अंधेरे में डूबता चला गया–
ध्रुव अंदर बंद था और अब सुपर नोवा को रोकने वाला कोई भी नहीं था–
और फिर बाद में–
मारा तो कोई भी नहीं गया ध्रुव, लेकिन हमारे दुश्मन गार्ड अंधे हो गए हैं...
–तेरह के तो इलाज की कुछ उम्मीद है, लेकिन आठ गार्ड पूरी तरह से अंधे हो चुके हैं!...
–तेज अल्ट्रावायलेट किरणों ने उनकी आंखों की कोशिकाओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।
ये देखो; हमारे चीफ गार्ड सिंदार सिंह की हालत!
ओ माई गॉड!
और यह सब उस लेंस वल्व के कारण है, जो अभी तक प्रायोगिक स्तर पर ही था–
–मुझे समझ में नहीं आता कि आखिर सुपर नोवा उस लेंस वल्व का करेगा क्या?
यह सुपर नोवा तो बहुत खतरनाक आदमी है। और अब तक की जानकारियों से इतना स्पष्ट हो चुका है कि वह अपने सारे अपराध प्रकाश किरणों के सहारे ही करता है। लेकिन यह पता नहीं चलता कि अब उस तक कैसे पहुंचा जा सकता है!
इसको तो बाद में देखेंगे। फिलहाल तो मुश्किल यह है कि इस हादसे के बाद प्रेस वाले इतने सवाल पूछ रहे हैं कि अब मुझे मजबूर होकर इनको तुम्हारे मंगल-अभियान के बारे में बताना ही पड़ेगा!

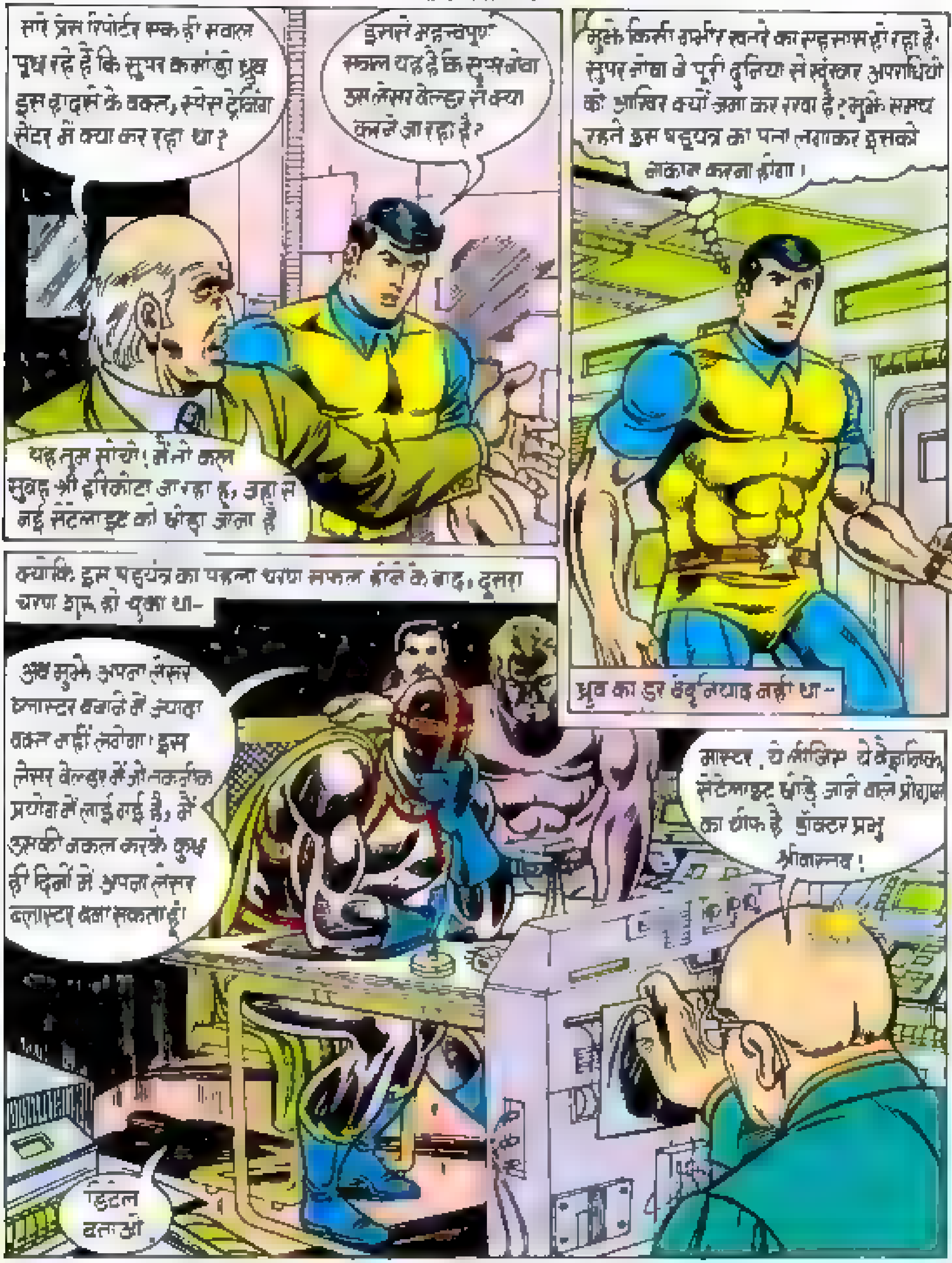
सारे प्रेस रिपोर्टर एक ही सवाल पूछ रहे हैं कि सुपर कमांडो ध्रुव इस हादसे के वक्त, स्पेस ट्रेनिंग सेंटर में क्या कर रहा था?
इससे महत्त्वपूर्ण सवाल यह है कि सुपर गैंग उस लेसर वेल्डर से क्या करने जा रहा है?
यह तुम सोचो! मैं तो कल सुबह श्री हरिकोटा जा रहा हूं, जहां से नई सैटेलाइट को छोड़ा जाना है
मुझे किसी गंभीर खतरे का एहसास हो रहा है। सुपर गैंग ने पूरी दुनिया से खूंखार अपराधियों को आखिर क्यों जमा कर रखा है? मुझे समय रहते इस षड्यन्त्र का पता लगाकर इसको नाकाम करना होगा।
ध्रुव का डर बेबुनियाद नहीं था –
क्योंकि इस षड्यंत्र का पहला चरण सफल होने के बाद, दूसरा चरण शुरू हो चुका था–
अब मुझे अपना लेसर ब्लास्टर बनाने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। इस लेसर वेल्डर में जो तकनीक प्रयोग में लाई गई है, मैं उसकी नकल करके कुछ ही दिनों में अपना लेसर ब्लास्टर बना सकता हूं।
मास्टर, ये लीजिए ये हैं कल सैटेलाइट छोड़े जाने वाले प्रोग्राम का चीफ है डॉक्टर प्रभु श्रीवास्तव!
डिटेल बताओ

प्रतिभाशाली वैज्ञानिक है। एक खूबसूरत बीवी है और पांच साल का एक बेटा है... शादी के आठ साल बाद हुआ है। श्रीवास्तव श्रीहरिकोटा में है...
— लेकिन इसकी बीवी और बच्चा राजनगर में ही रहते हैं...
अहा, यह प्यारा बच्चा है। बीवी भी खूबसूरत है...
— हम इनसे मिलना चाहते हैं। इनको हमारा मेहमान बनाकर यहां ले आओ...
... और फिर श्रीवास्तव के पास ये छोटा सा पैकेट पहुंचा देना...
कर दो !
— और दूसरी तरफ पूरे राजनगर में एक उत्तेजना की लहर दौड़ रही थी -
कमाल है,
राजनगर का नाम ऊंचा कर दिया।
कितनी आश्चर्यजनक खबर है ! —
इधर सुपर जोंगा अपने षड्यंत्र को अन्तिम रूप दे रहा था...

...पृथ्वी का कचरा अंतरिक्ष में फेंका जा रहा है
यह तो एक शर्मिंदा खबर है कमाल है! मैंने इसको क्यों नहीं पढ़ा? लो देखूं तो!
ये देखो!
ये तो मेरे मंगल ग्रह जाने वाली खबर है...
...कचरे वाली खबर कहां?
अच्छा! मुझे कचरा कहती है...
...आज मैं तेरी चोटी की पोनीटेल बनाकर ही रहूंगा।
अब चले आओगे; लड़कियों की चोटी काटना संगीन जुर्म है...
...देखो, फिर कोई फोन आया सुबह से दो सौ ग्यारहवां;
ट्रिन ट्रिन ट्रिन ट्रिन
हैलो ऽऽ
बाल काटने वाली कैंची ढूंढ रहे हैं।
आप कौन हैं?
मैं उनका एक जबरदस्त फैन हूं। उनकी मंगल ग्रह जाने वाले पहला अंतरिक्ष यात्री होने पर बधाई देना चाहती थी।
अजी बधाई कैसी...

हाई! सच में? आप कौन बोल रही हैं?
...वो तो आया ही मंगल ग्रह से था। अब वापस जा रहा है।
मैं उसकी चाची बोल रही हूँ। मंगल ग्रह से उसको लेने आई हूँ।
...हैलो...हैलो! फोन रख दिया। घबरा गई बेचारी.
घबरा ही जाएगी! सोच रही होगी कि शायद पागलखाने का नंबर मिल गया...
समझा, चाची जी?
...लेकिन किसी रिपोर्टर से ऐसा मजाक मत कर देना वर्ना वो सच समझकर पेपर में छाप देगा!
यहां तो बात हंसी-मजाक में टल रही थी...
...और वहां से दूर- श्री हरिकोटा लॉन्चिंग स्टेशन पर किसी की खुशी में, गहरा दुःख मिला हुआ था-
CC
क्या बात है, प्रभु श्रीवास्तव जी? इतनी बड़ी उपलब्धि मिलने पर भी आप खुश नहीं दिखाई पड़ रहे?
अपने देश से गद्दारी करने वाला भला खुश कैसे रह सकता है। मुझे इस सैटेलाइट में एक ऐसा यंत्र फिट करने पर मजबूर होना पड़ा है, जो मुझे कुछ अपराधिक तत्वों ने भेजा था। और मुझे ऐसा करने पर मजबूर किया है...
...इस फोटोग्राफ में गुंडों के चंगुल में फंसे मेरी पत्नी और बेटे के फोटो हैं। और अगर मैंने अपनी जुबान खोली, तो वे उनको निश्चित रूप से मार डालेंगे।

सैटेलाइट छोड़े जाने की खबर तुरन्त ही चारों तरफ फैल गई–
बधाई हो मास्टर, सैटेलाइट छोड़ी जा चुकी है और आपके द्वारा भेजा गया यंत्र उसमें फिट है।
मेरी लेसर-गन भी तैयार है, मांगेज़ :–
...लेकिन न जाने क्यों मुझे कुछ न कुछ गड़बड़ होने की आशंका सता रही है
क्यों मास्टर? हमारे प्लान को सिर्फ प्रभु श्रीवास्तव ही सबोटा-ज कर सकता है। और वह ऐसा कभी नहीं करेगा। क्योंकि उसका परिवार हमारे कब्जे में है।
उसकी तरफ से नहीं, मुझे खतरा इसकी तरफ से है
INDIAN TIMES
ध्रुव की तरफ से? लेकिन यह तो हमारे बारे में कुछ भी नहीं जानता?
जानता नहीं है तो जान जाएगा। तुम इसके बारे में नहीं जानते मांगेज़!
ध्रुव जब तक वह मेरे और मेरे प्लान के बारे में पता नहीं लगा लेगा, तब तक वह चुप नहीं बैठेगा!
तब तो इससे पहले कि वह कुछ गड़बड़ कर पाए, हम उसको खत्म कर देते हैं, मास्टर!

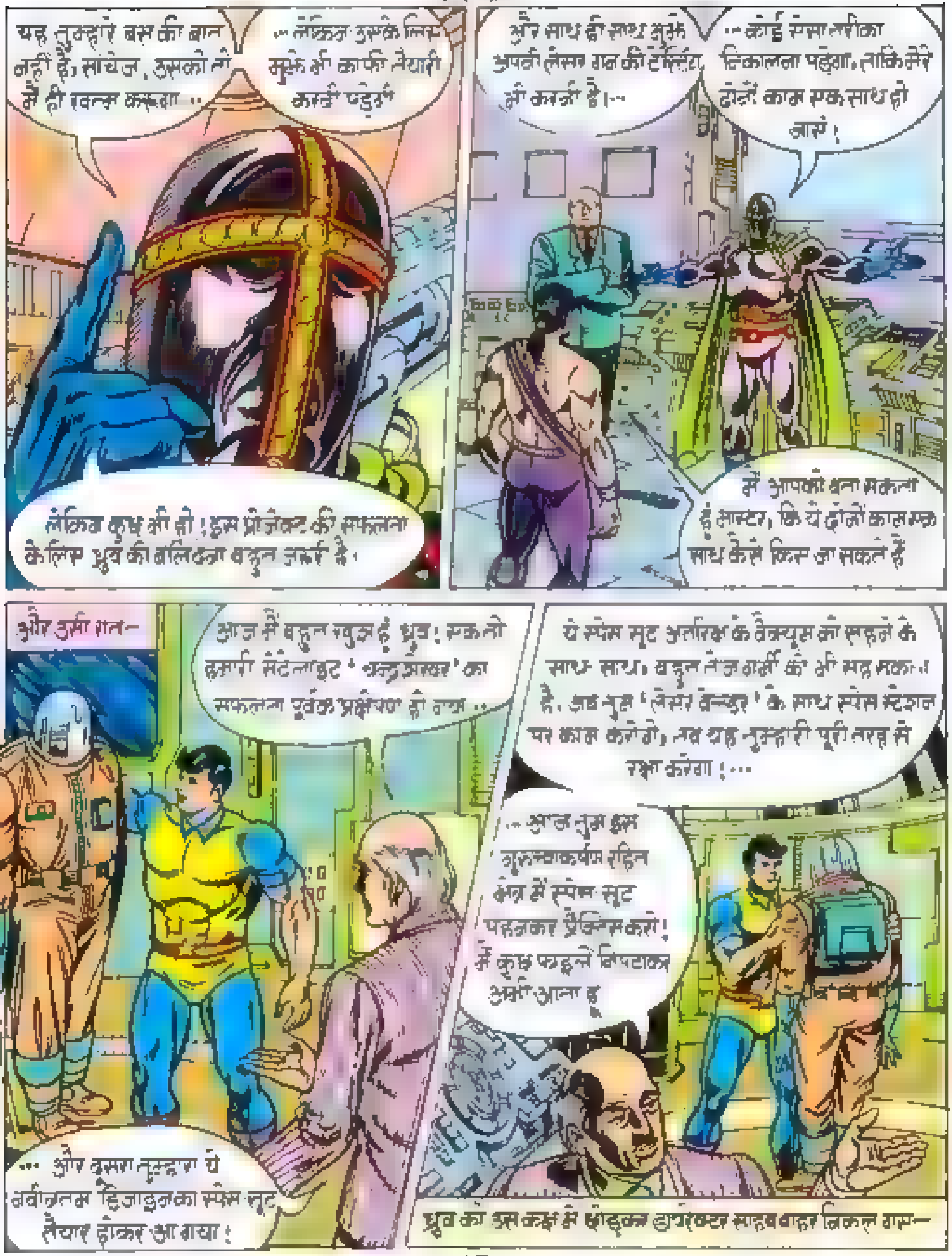
यह तुम्हारे बस की बात नहीं है, सांचेज, उसको तो मैं ही खत्म करूंगा ..
.. लेकिन उसके लिए मुझे भी काफी तैयारी करनी पड़ेगी
और साथ ही साथ मुझे अपनी लेसर गन की टेस्टिंग भी करनी है।..
.. कोई ऐसा तरीका निकालना पड़ेगा, ताकि मेरे दोनों काम एक साथ हो जाएं!
लेकिन कुछ भी हो! इस प्रोजेक्ट की सफलता के लिए ध्रुव की बलि बहुत जरूरी है।
मैं आपको बता सकता हूं मास्टर, कि ये दोनों काम एक साथ कैसे किए जा सकते हैं
और उसी रात—
आज मैं बहुत खुश हूं ध्रुव! एक तो हमारी सेटेलाइट 'चन्द्रशेखर' का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण हो गया ..
... और दूसरा तुम्हारा ये नवीनतम डिजाइन का स्पेस सूट तैयार होकर आ गया!
ये स्पेस सूट अंतरिक्ष के वैक्यूम को सहने के साथ-साथ, बहुत तेज गर्मी को भी सह सकता है, अब तुम 'लेसर कन्ट्रोल' के साथ स्पेस स्टेशन पर काम करोगे, तब यह तुम्हारी पूरी तरह से रक्षा करेगा!...
.. आज तुम इस गुरुत्वाकर्षण रहित कक्ष में स्पेस सूट पहनकर प्रैक्टिस करो! मैं कुछ फाइलें निपटाकर अभी आता हूं
ध्रुव को उस कक्ष में छोड़कर डायरेक्टर साहब बाहर निकल गए—

☆ ऑब्जरवेटरी - नक्षत्रों एवं ग्रहों के अध्ययन के लिए ऊंचाई पर बनी एक खास इमारत, जिसमें टेलिस्कोप लगा रहता है

नोट: डॉक्टर साहा से ध्रुव की मुलाकात 'हत्यारा [illegible]' कॉमिक्स में हो चुकी है।

...लेकिन आसमान से कुछ और ऊपर नीचे गिरने वाला था-
लेसर-गन पूरी तरह से चार्ज हो चुकी है, मास्टर!
निशाना ऑन किया जा चुका है...
...और ये रहा बटन!
और एक चमकती लकीर अंधेरे के सीने को चीरती हुई, पृथ्वी के वायुमंडल को पार करती हुई...
...सैटेलाइट 'चन्द्रशेखर' से फिर उस यंत्र से जा टकराई, जो 'सुपर लेजर' द्वारा डॉक्टर प्रभु श्रीवास्तव के पास भेजा गया था
वह यंत्र वास्तव में एक 'परावर्तक' यानी रिफ्लेक्टर था-
जो 'लेसर किरण' को निर्धारित कोण पर मोड़ देने की क्षमता रखता था-
रिफ्लेक्टर ने लेसर किरण को मोड़ने में कुछ सेकंड का समय लिया...
...और फिर लेसर किरण अपने निशाने की तरफ चल पड़ी-
और वह निशाना था...
...राजनगर के स्पेस ट्रेनिंग सेंटर का वह हिस्सा...
...जहां पर ट्रेनिंग के लिए स्पेसशटल तैयार खड़ी हुई थी-

ये धुंआ?
कड़ड़ड़ड़ाम
यह धुंआ?
हैंड ग्रेनेड से धमाका हुआ है!

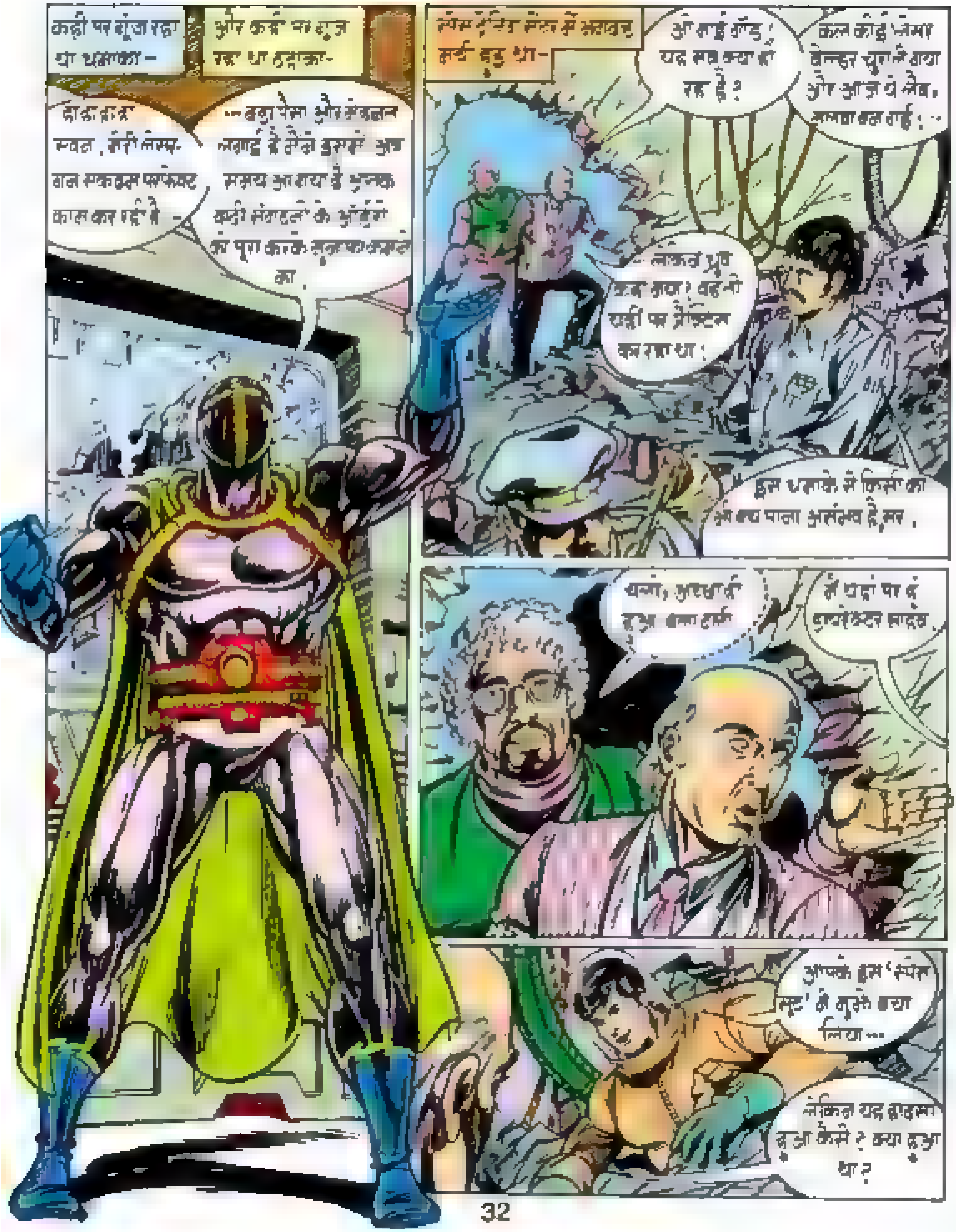
कहीं पर गूंज रहा था धमाका –
और कहीं पर गूंज रहा था हाहाकार–
ओ माई गॉड! यह सब क्या हो रहा है?
इस धमाके से किसी का भी बच पाना असंभव है, सर.
मैं यहां पर हूं इन्स्पेक्टर साहब.
आपके इस 'स्पेस सूट' ने मुझे बचा लिया...
लेकिन यह धमाका हुआ कैसे? क्या हुआ था?

यह तो मुझे भी नहीं पता मुझे तो बस इतना पता है कि पहले छत से धुआं निकलना शुरू हुआ...
— और फिर अचानक यह धमाका हो गया... ओ, हैलो... इंस्पेक्टर साहब ; कैसे हैं आप ?
— और किसी को यह पता ही नहीं कि यह धमाका आखिर हुआ कैसे ?

★ ... और डॉक्टर साहा के बारे में जानने के लिए पढ़ें – 'हत्यारी गाड़ियां'

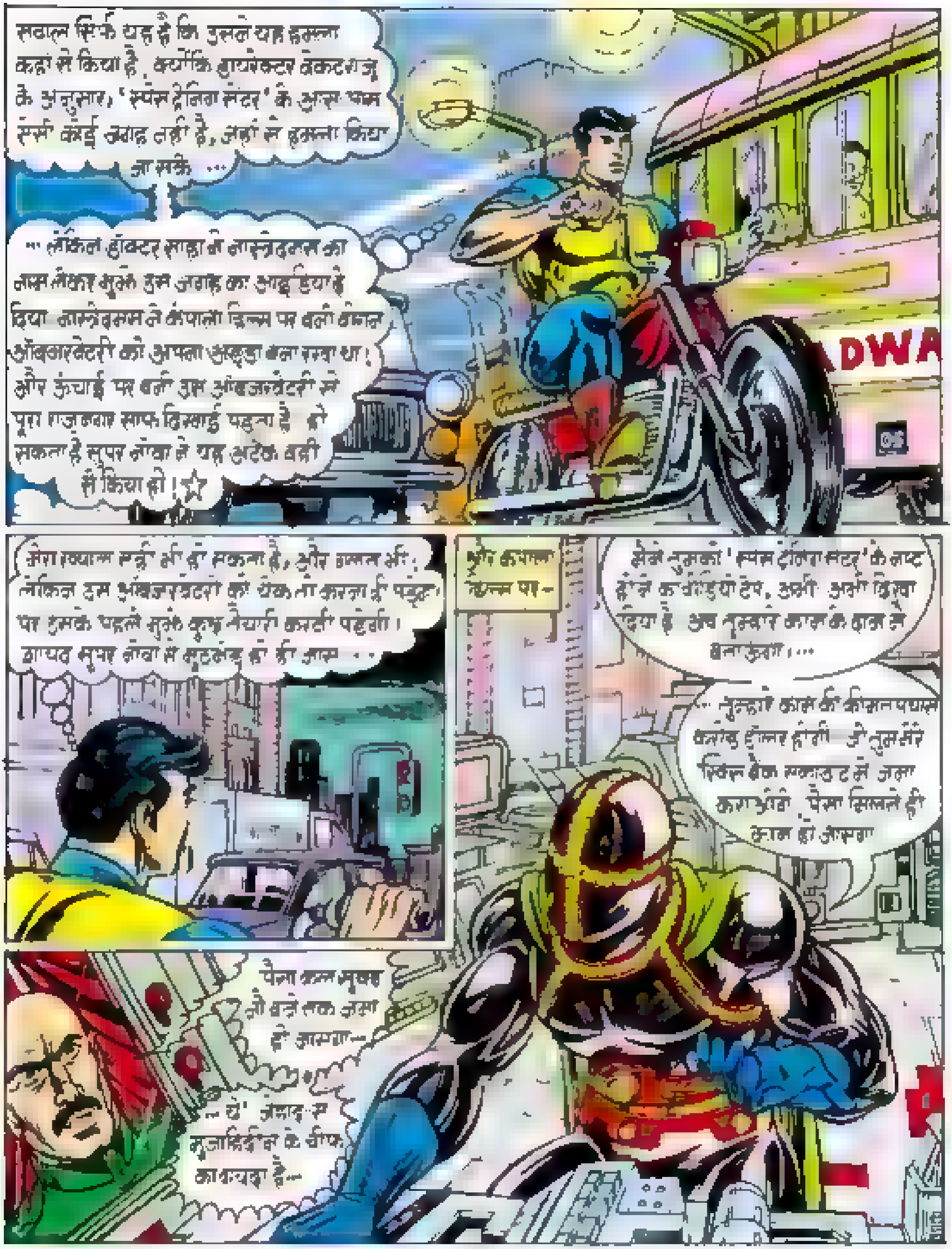
सवाल सिर्फ यह है कि उसने यह हमला कहां से किया है, क्योंकि डायरेक्टर वेंकटराजू के अनुसार, 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' के आस-पास ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां से हमला किया जा सके...
...लेकिन डॉक्टर साहा ने नागेन्द्रहस्त का नाम लेकर मुझे उस जगह का आइडिया दे दिया। नागेन्द्रहस्त ने कंपाली हिल्स पर बनी ओल्ड ऑब्ज़र्वेटरी को अपना अड्डा बना रखा था! और ऊंचाई पर बनी उस ऑब्ज़र्वेटरी से पूरा राजनगर साफ दिखाई पड़ता है। हो सकता है सुपर नोवा ने यह अटैक वहीं से किया हो!☆
मेरा ख्याल सही भी हो सकता है, और गलत भी! लेकिन उस ऑब्ज़र्वेटरी को चेक तो करना ही पड़ेगा। पर उससे पहले मुझे कुछ तैयारी करनी पड़ेगी। शायद सुपर नोवा से मुठभेड़ हो ही जाए...
और कंपाली हिल्स पर–
मैंने तुमको 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' के नष्ट होने का वीडियो टेप, अभी-अभी भिजवा दिया है। अब तुम्हारे काम के दाम भी बता दूंगा...
...तुम्हारे काम की कीमत पचास करोड़ डॉलर होगी, जो तुम मेरे स्विस बैंक एकाउंट में जमा कराओगे। पैसा मिलते ही काम हो जाएगा
पैसा कल सुबह दस बजे तक जमा हो जाएगा–
...यह जल्लाद मुजाहिदीन के चीफ का वायदा है–

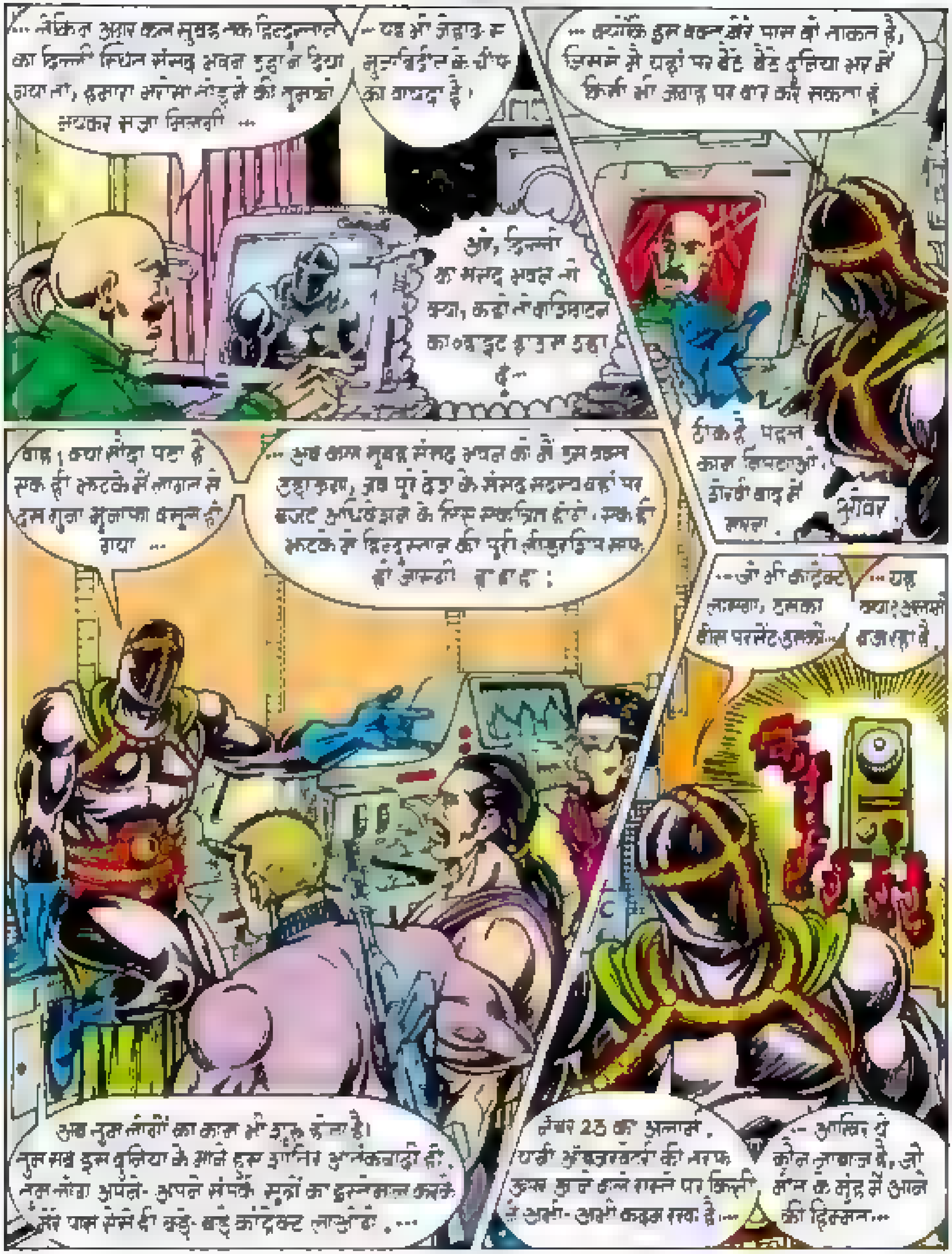
...क्योंकि इस वक्त मेरे पास वो ताकत है, जिससे मैं यहां पर बैठे बैठे दुनिया भर में किसी भी जगह पर वार कर सकता हूं।
ओवर
अब तुम लोगों का काम भी शुरू होता है। तुम सब इस दुनिया के माने हुए शातिर आतंकवादी हो, तुम लोग अपने-अपने संपर्क सूत्रों का इस्तेमाल करके मेरे पास ऐसे ही बड़े-बड़े कांट्रैक्ट लाओगे, ...
...आखिर ये कौन जांबाज है, जो मौत के मुंह में आने की हिम्मत...

दुश्मन को चेतावनी देना सुपर कोबा की आदत नहीं है ध्रुव, यह तो मैं सिर्फ तुमको इज्जत देने के लिए बता रहा था...
...लेकिन अगर तुम लड़ना ही चाहते हो, तो यह तुम्हारी मर्जी है मेरी नहीं!
और साथ ही साथ सुपर कोबा की उंगलियां भी हरकत में आ गईं-
?

राज कॉमिक्स
लेकिन धमाके नहीं रुके -
और फिर जब धमाके खत्म हुए तो -
इसका उद्देश्य तुम्हें खत्म करना था भी नहीं, सुपर कमांडो ध्रुव।
इसका उद्देश्य तो सिर्फ तुम्हें यहाँ तक लाना था। ताकि तुम अपनी मौत से बचकर भाग न पाओ...
अब तुम्हारे आगे खाई है...
— और तुम्हारे पीछे...

...तुम्हारी मौत!
हे भगवान, यह कैसा प्राणी है। ऐसा प्राणी तो मैंने पहले कभी नहीं देखा...

यह क्या?

आह्ह!

अब सिर्फ एक सेकंड की देर है इस बार मैं इसकी आग की लपट से बच नहीं पाऊंगा।

...वह जगह है,
सुपर गोवा का बायां हाथ.
स्टार लाइन ने सुपर गोवा के हाथ को लपेट लिया–
और एक झटके में, सुपर गोवा नीचे आ गिरा.
अगर उसका दूसरा हाथ चट्टान को न थाम लेता तो उसका बहुत नीचे गिरकर चूर-चूर हो जाता–
और तब तक वह बचाव का कोई रास्ता सोच पाता, तब तक ध्रुव उसके सामने पहुंच चुका था–
अब बताओ सुपर गोवा...
...तुम्हारे नरकलोक में अब कौन सा नीच बचा है?
आह.

इधर ध्रुव के दिमाग में भी कई सोचों के घोड़े दौड़ रहे थे–
ध्रुव का ध्यान भी कुछ और था...
...इसको भूलने से ... मौका ध्रुव को नहीं मिला–
क्योंकि इसी पल–
...और ध्रुव चीख उठा–
आह... मेरी आँखें!
अल्ट्रावायलट किरणों का एक तेज झमाका, ध्रुव की आँखों से टकराया...
मुझे... मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा है!...
...मैं अंधा हो गया!

मास्टर ! मास्टर ! आप ठीक तो हैं न ?
अब नहीं लड़ूंगा ! अब ये इससे टकराने का अंजाम भुगत रहा है..
— अंधा हो गया है ये.
इसको मैं अभी गोली मार देता हूं
हां, मार दो मुझे ! लेकिन बच नहीं पाओगे तुम लोग...
...पुलिस जानती है कि मैं इस वक्त कहां पर हूं !...
...पुलिस आती ही होगी ! और फिर तुम लोग या तो जेल में होगे... या फिर मारे जाओगे !
शायद ये सच बोल रहा है. अब हम इसको मारेंगे नहीं ! इसको बंधक बनाकर रखेंगे
जब तक ये हमारे पास रहेगा, पुलिस हम पर हमला नहीं करेगी ! हम एक बार अपना काम पूरा कर लें. इसके बाद इसको लेकर यहां से खिसक जाएंगे... और फिर हमारे पास माल भी होगा, और हम आज़ाद भी होंगे !...

अंधेरे में छुपी वह रहस्यमय आकृति अभी भी अपनी जगह से नहीं हिली–
ओ माई गॉड! ये सुपर लोग तो बहुत खतरनाक आदमी लगता है ध्रुव को अंधा कर दिया है इसने!...
...लेकिन एक बात अच्छी भी हुई है ध्रुव से लड़ाई के चक्कर में इन लोगों का ध्यान मुझ पर नहीं गया!
अब मैं इनके पीछे-पीछे ऑब्जरवेटरी तक आराम से पहुंच सकता हूं...
...और फिर उसके बाद इन्तजार करूंगा सिग्नलों का...
और ऑब्जरवेटरी में–
चल सूरदास, तू भी, इन दोनों के साथ अंदर बंद हो जा!
सुपर कमांडो ध्रुव:

ध्रुव को फिलहाल मैंने श्रीवास्तव की बीवी और बच्चे के साथ कैद कर दिया है!
ठीक है! —अब जाकर तुम तीनों पहरे पर लग जाओ और मुझे डिस्टर्ब मत करना! ...बजने में अब सिर्फ छः घंटे बाकी हैं। ...
...मुझे अपनी 'लेसर गन' को सेट करने के लिए काफी सारे 'एडजस्टमेंट' करने हैं
रात की कालिमा को, सुबह की लाली धीरे-धीरे धोती जा रही थी—
यही, समय था एक विनाशक घटनाक्रम की शुरुआत का—
ये सिग्नल! यानी अब मेरे काम को शुरू करने की घड़ी आ गई है।
लेकिन मुझे काम बहुत संभलकर करना होगा...
...वर्ना मुझे मरने से कोई भी नहीं बचा पाएगा।
यह रहा मेरा पहला शिकार. धीरे-धीरे... वर्ना जरा सी आहट सारा खेल बिगाड़ देगी।
यह रहस्यमय शख्स जो भी था, उसकी ट्रेनिंग बहुत अच्छी मिली हुई थी—
उसको अच्छी तरह से मालूम था कि वार कहां पर करना चाहिए—
ढेर होने से पहले चीख तक नहीं पाया—
सिग्नल उत्तर-पश्चिम की दिशा से आ रहे हैं — ...मुझे उधर ही जाना होगा!

लेकिन उसका बेहोश शरीर ज़मीन से, एक छोटी सी आवाज़ के साथ टकराया–
और इतनी आवाज़, स्ट्रेंज को सतर्क कर देने के लिए काफी थी–
ये आवाज़ कैसी थी? लूका! लूका, तुम ठीक तो हो न? ...लूका?
धप्प
लूका! ...लूके... ...कफ्फफ!
धाड़
वार पूरी ताकत से नाक और भवों के जोड़ पर किया गया था–
स्ट्रेंज के लिए होश संभाले रखने का सवाल ही नहीं था–
अब पहरे पर सिर्फ शिवा तैनात था–
क्यों बेटा ध्रुव! टी॰वी॰ देखेगा? मेरे पास एक जादुई सुरमा है...
...जिसको लगाने से आँखें भी देखने... अक... अक–

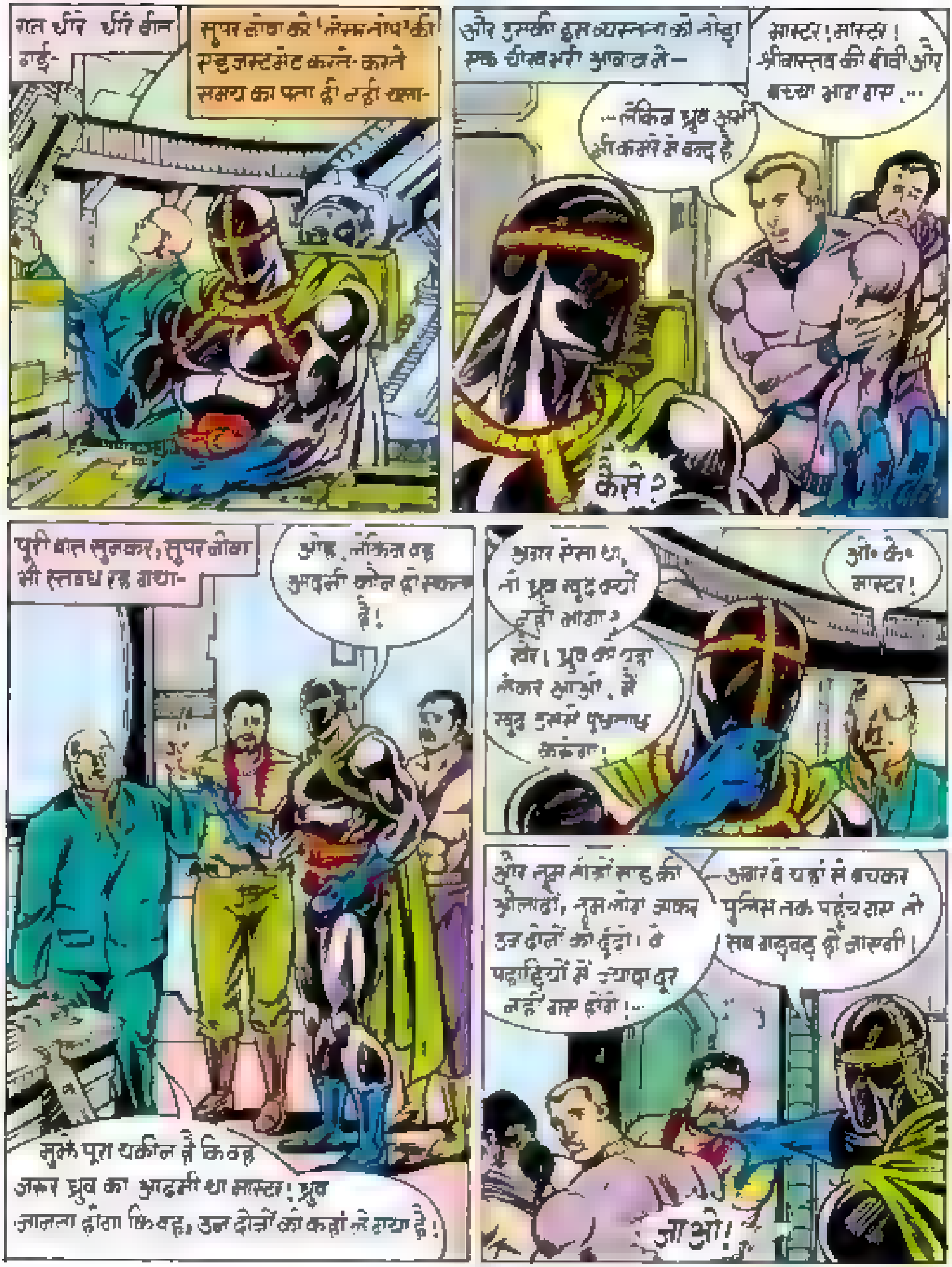
रात धीरे-धीरे बीत गई-
सुपर लोबा को 'लेसर गोप' की एडजस्टमेंट करते-करते समय का पता ही नहीं चला-
और उसकी इस व्यस्तता को तोड़ा एक चीख भरी आवाज ने—
मास्टर! मास्टर! श्रीवास्तव की बीवी और बच्चा भाग गए...
...लेकिन ध्रुव अभी भी कमरे में बन्द है
कैसे?
पूरी बात सुनकर, सुपर लोबा भी स्तब्ध रह गया-
ओह, लेकिन वह आदमी कौन हो सकता है!
मुझे पूरा यकीन है कि वह जरूर ध्रुव का आदमी था मास्टर! ध्रुव जानता होगा कि वह, उन दोनों को कहां ले गया है!
अगर ऐसा था, तो ध्रुव खुद क्यों नहीं भागा?
खैर! ध्रुव को यहां लेकर आओ, मैं खुद उससे पूछताछ करूंगा।
ओ० के० मास्टर!
और तुम भाड़ों भाड़ की औलादों, तुम लोग जाकर उन दोनों को ढूंढो। वे पहाड़ियों में ज्यादा दूर नहीं गए होंगे।...
—अगर वे यहां से बचकर पुलिस तक पहुंच गए तो सब गड़बड़ हो जाएगी।
जाओ!

और फिर-
चला, वह असली कौन था अंधे!...
...चलो, वर्ना तेरे एक-एक अंग को अलग-अलग काटूंगा.
...पहले तुम मुझे सिर्फ इसलिए काबू में कर पाए क्योंकि तब मैं आंखों में दर्द से बेहाल था...
ध्रुव को असहाय समझने की भूल मत करना...
...लेकिन सुपर कमांडो ध्रुव अपने मुकाबलों में कई बार आंखों पर पट्टी बांधकर भी लड़ चुका है!...
...सिर्फ इसकी आवाज के सहारे.
धड़ाक
आह!
जोरदार घूंसा था मास्टर। एक ही वार में आप चित हो गए। कोई अंधा इतना सटीक वार नहीं मार सकता... मुझे तो शक हो रहा है कि ध्रुव पूरी तरह से अंधा नहीं हुआ है...
असंभव!

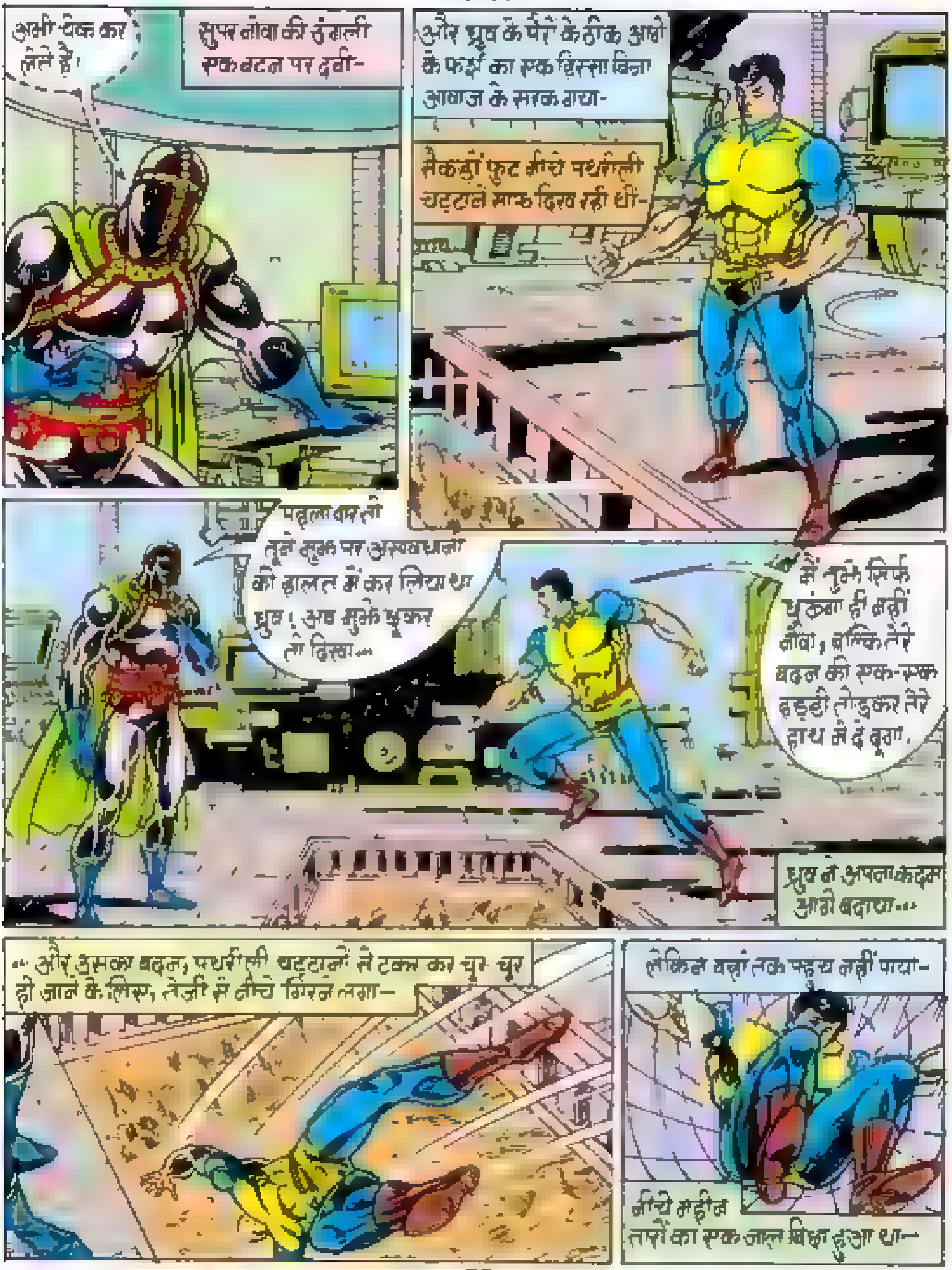
अभी चेक कर लेते हैं!
सुपर नोवा की उंगली एक बटन पर दबी-
और ध्रुव के पैरों के ठीक आगे के फर्श का एक हिस्सा बिना आवाज के सरक गया-
सैकड़ों फुट नीचे पथरीली चट्टानें साफ दिख रही थीं-
पहला वार तो तूने मुझ पर असावधानी की हालत में कर लिया था ध्रुव! अब मुझे छूकर तो दिखा...
मैं तुझे सिर्फ छूऊंगा ही नहीं नोवा, बल्कि तेरे बदन की एक-एक हड्डी तोड़कर तेरे हाथ में दे दूंगा.
ध्रुव ने अपना कदम आगे बढ़ाया...
...और उसका बदन, पथरीली चट्टानों से टकरा कर चूर-चूर हो जाने के लिए, तेजी से नीचे गिरने लगा-
लेकिन वहां तक पहुंच नहीं पाया-
नीचे महीन तारों का एक जाल बिछा हुआ था-

कुछ ही देर बाद ध्रुव, वापस कक्ष में खड़ा हुआ था—
देखा, मूर्ख, अगर मेरी बातों में आकर मैंने इस अंधे को मार दिया होता, तो पुलिस के हमले से हम कैसे बचते?
आह!
हमें इस आदमी के बारे में कुछ नहीं पता है.
अब मुझे डिस्टर्ब मत करना!—
...बाकी सारी सेटिंग तो हो चुकी है। अब सिर्फ गन को निशाने पर सेट करना बाकी है।
इस अंधे का क्या करें?
वैसे भी ये अंधा हमारा कुछ बिगाड़ भी सकता नहीं।
आज मेरी जिन्दगी की साध पूरी हो जाएगी। गन के सेट होते ही निशाना फिक्स हो जाएगा। और फिर बटन दबाने की देर है एक लेसर किरण निकलकर अभी ताजी-ताजी छोड़ी गई सैटेलाइट 'चन्द्र शेखर' की तरफ बढ़ेगी—
...वहां पर वह एक खास 'रिफ्लेक्टर' से टकराएगी, जो मेरे डॉक्टर ओंकारनाथ को उस सैटेलाइट में फिट करने के लिए भेजा था। वह यंत्र लेसर किरण को संग्रहित और इसे इसके निशाने पर परावर्तित करने में मात्र दो सेकंड का समय लेगा—
— और इसके बाद — वह लेसर किरण चल पड़ेगी अपने लक्ष्य को नष्ट करने के लिए। और वह लक्ष्य होगा... संसद भवन।

आहा! 'लेसर गन' अपने निशाने 'संसद भवन' पर सेट हो गई है....
...अब इंतजार है तो सिर्फ बजट अधिवेशन के शुरू होने का। हा हा हा!
अब हमारे पास कुछ देर का खाली समय है...
...लेकिन वे तीनों सांडू अब तक उस रहस्यमय आदमी को पकड़ कर लौटे नहीं। कहां मर गए वे तीनों?
मरे नहीं हैं सिर्फ बेहोश हुए हैं...
...मैं किसी को जान से नहीं मारता...
वह भाग रहा है, मास्टर.
भागकर जाएगा कहां? तुम दाहिनी तरफ से जाओ, मैं उसको बाईं तरफ से घेरता हूं
अरे! अरे! यही होगा वह रहस्यमय आदमी.
पकड़ लो इसे बान्डी!
सुपर जोवा और बान्डी उस नकाबपोश के पीछे बाहर निकल गए--

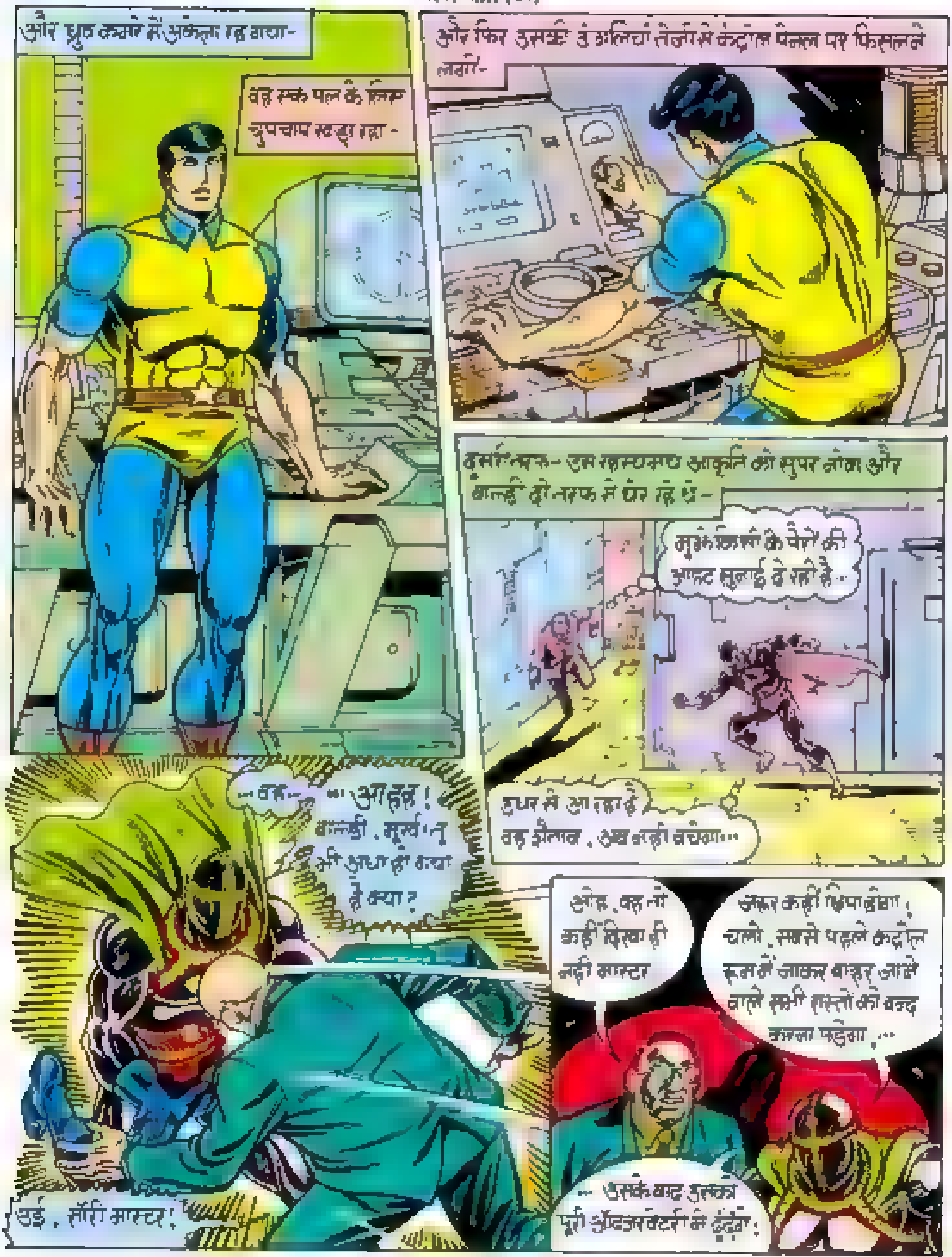
और ध्रुव कमरे में अकेला रह गया-
वह एक पल के लिए चुपचाप खड़ा रहा -
और फिर उसकी उंगलियां तेजी से कंट्रोल पैनल पर फिसलने लगीं-
दूसरी तरफ - उस रहस्यमय आकृति को सुपर गोगा और बाल्की दो तरफ से घेर रहे थे -
मुझे किसी के पैरों की आहट सुनाई दे रही है...
इधर से आ रहा है वह शैतान, अब नहीं बचेगा...
...उई...
...ओह्ह! बाल्की, मूर्ख! तू भी अंधा हो गया है क्या?
उई, सॉरी मास्टर!
ओह, वह तो कहीं दिखा ही नहीं मास्टर
जरूर कहीं छिपा होगा, चलो, सबसे पहले कंट्रोल रूम में जाकर बाहर जाने वाले सभी रास्तों को बन्द करना पड़ेगा...
...उसके बाद इसको पूरे हेडक्वार्टर में ढूंढेंगे!

बिजली की सी फुर्ती से दोनों कंट्रोल कक्ष में पहुंचे–
जहां पर वे ध्रुव को छोड़कर गए थे–
अरे! अरे! तू कंट्रोल पेनल से क्या छेड़छाड़ कर रहा है अंधे?
तुम्हारी कुछ गलतियों को ठीक कर रहा हूं, सुपर गोला!
तुम्हारी... तुम्हारी आंखें! तुम्हारी आंखें ठीक कैसे हो गईं?
मेरी आंखें खराब कब हुई थीं सुपर गोला?
जो कुछ तुम देख रहे थे, वह कमाल तो इन 'स्पेशल कांटेक्ट लेंसों' का था। जो मैंने तभी बनवा लिए थे, जब तुमने पहली बार 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' पर हमला किया था। अंधे हुए गार्डों की आंखें देखकर मैंने हूबहू वैसा ही इनको बनवाया था।
और जब मेरी आशा के अनुरूप तुमने मुझ पर अल्ट्रावायलेट किरणों से हमला किया, तो मैंने अपनी आंखों को बचाते हुए, चुपचाप कांटेक्ट लेंसों को अपनी आंखों में सरका लिया था।
मैं चाहता तो तुमको कहीं पर पकड़ सकता था। लेकिन मेरा मकसद पहले तुम्हारे प्लान के बारे में जानना था। और इसीलिए मैं अंधा बनकर तुम्हारा बंधक बन गया, और यहां पर आ गया।...
...यहां पर आकर मुझे पता चला कि तुमने डॉक्टर श्रीवास्तव की पत्नी और बेटे को भी बंधक बना रखा है। सबसे पहले मैंने उनको छुड़वाया।
तुमने? यानी... यानी वह तुम्हारा आदमी था!
था नहीं... है गोला। मैं सारी तैयारी करके आया था। और मेरे साथ आया था...

...कमांडो फोर्स का कैडेट पीटर। यह मेरे सिग्नल को सुनकर अन्दर आया, और तुम्हारे आदमियों को पीटकर मिसेज श्रीवास्तव और उनके बेटे को बाहर निकाल ले गया।...
...जहां से दूसरी कमांडो कैडेट उनको वापस अन्दर ले गई, और उसने पुलिस को भी इंफार्म कर दिया। अब पुलिस भी आती ही होगी।
और मेरे तीनों आदमी?
जो मेरे पीछे बाहर आए थे?
वे तीनों बाहर सैर कर रहे हैं, बेहोशी की दुनिया की।
ओह गॉड! लेकिन... अगर तुम अंधे नहीं थे तो तुम जान बूझकर फर्श में बने छेद में क्यों गिर पड़े?
ये साबित करने के लिए कि मैं अंधा हूं। वर्ना तुम मुझे कमरे में उस वक्त भी कैसे खड़ा रहने देते, जब तुम अपनी योजना के बारे में बड़बड़ा रहे थे।...
...और साथ ही साथ अपनी लेसर गन को भी निशाने पर फिक्स करते जा रहे थे।...
...इसी वक्त मैंने दुबारा सिग्नल भेजकर पीटर को अंदर बुला लिया...
...लेकिन अब तुम्हारा खेल खत्म हो चुका है सुपर गैंग! हमारे सामने तुम लोग टिक नहीं सकते। हम तुम्हारी हर ट्रिक को जानते हैं। वैसे भी अब पुलिस भी यहां पर आती ही होगी।
अब पुलिस आती है, तो आती रहे... क्योंकि अब कोई भी मुझे मेरा काम पूरा करने से रोक नहीं सकता।

नौ बज चुके हैं। संसद भवन बजट अधिवेशन के लिए सारे संसद सदस्य जमा हो चुके होंगे। और यह बटन दबाते ही लेसर गन से लेसर किरण निकल चुकी है।...
...संसद भवन को उड़ाने के लिए!
इतनी जल्दी बटन दबाने से पहले निशाने पर तो एक नजर डाल लेते लोथा!
...ये निशाना तो ऑब्जरवेटरी पर सेट हो गया है। पर कैसे?
ओ गॉड! ये... ये...
तुम फिर भूल रहे हो कि जिस वक्त तुम गन को निशाने पर सेट कर रहे थे, उस वक्त मैं गन को सेट करने का तरीका बड़े ध्यान से देख रहा था...
...और जब तुम दोनों पीटर के पीछे चले गए तो मैंने निशाने को यहां पर सेट कर दिया।
...और अब लेसर किरण को यहां तक पहुंचने में कुछ ही सेकंड बचे हैं।
भागो!
जिसको जहां से जगह मिली वहीं से बाहर कूद पड़ा—
क्योंकि सभी समझ रहे थे कि सिर्फ दो या तीन सेकंड बचे थे—

विध्वंसक लेसर किरण को ऑब्जरवेटरी तक पहुंचने में–
कड़ड़ड़ऽऽऽऽ
खत्म हो गई तुम्हारी महत्वाकांक्षी योजना सुपर गोवा...
...लेकिन मुझे यह समझ में नहीं आया कि तुम इस ऑब्जरवेटरी तक पहुंचे कैसे? यह तो कालेदमन का एक गुप्त अड्डा थी!
कालेदमन और मैं जेल की एक ही कोठरी में बंद थे। मैं छूटने वाला था। उसी ने मुझे स्पेस ट्रेनिंग सेंटर का सारा नक्शा और वहां रखे लेसर वेल्डर के बारे में बताया।
उसने मुझे इस ऑब्जरवेटरी का भी पता बताया। इस शर्त पर कि मैं उसे जेल से छुड़ा लूंगा। पर उसको छुड़ाने के पहले अब मैं खुद ही वहां पहुंच जाऊंगा!
और जेल की एक अंधेरी कोठरी में, कालेदमन का खून खौल रहा था–
सुपर गोवा मुझे धोखा दे गया। उसने मुझे नहीं छुड़ाया! पर अब मुझे उसकी जरूरत नहीं है!...
...क्योंकि अब कालेदमन खुद ही यहां से आजाद हो सकता है!...
...और उसके बाद मैं लूंगा अपना बदला!

समाप्त.